बिहार विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि १० मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT-NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

REDUCTION IN THE PRICE OF WHEAT.

A92. Shri RAWATMAL AGRAWAL: Will the Minister in charge of the Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) (*i*) the amount of present stock of wheat with Government;

(*ii*) the wholesale and retail rate for sale of wheat per maund;

(*iii*) the quantity of wheat sold during the last three months from the Government stock; and whether the Central Government is selling wheat at the rate of Rs. 15-8-0 per maund, wholesale, without any quantitative restrictions to the consumers and the traders;

(*b*) whether it is a fact that the Government of Uttar Pradesh have offered similar concessional rate to the traders and consumers with the result that the wheat product in Uttar Prasdesh is being sold at a cheaper rate than that of Bihar;

(*c*) whether the State Government think of giving similar concessional rate to the consumers and traders of this State or allowing them to bring Central Government wheat, so as to avail themselves of the concessional rate of Central Government;

(*d*) whether it is a fact that there is no restriction on the movement of wheat product from Delhi and U. P. to Bihar and as a result the trade is being adversely affected due to higher prices of wheat charged by the State Government;

(*e*) whether in view of the fact that the Government of U. P. and Central Government are selling wheat at a rate much lower than the Bihar Government and further whether in view of the fact that new crop of wheat in the State will augment the existing stock, will the Government consider the desirability of bringing down the prices of wheat to the level of the Central Government?

A—In the absence of the member, the answer was given at the request of Shri Anath Kant Basu.

गिरिडीह अस्पताल के लिये जमीन।

*८६३। श्री पुनीत राय—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि गिरिडीह अस्पताल के लिये जमीन एक्वायर किया जा रहा था;

(ख) क्या यह बात सही है कि सरकार ने इसके लिये जमीन मालिकों को नोटिस भी दे दी थी;

(ग) नोटिश देने के बाद सरकार ने उस जमीन को अस्पताल के लिये लेने के लिये क्या कार्रवाई की है;

(घ) क्या यह बात सही है कि गरीबों को नोटिस देकर भगा दिया गया, किन्तु एक पूंजीपति ने सरकारी नोटिस की कुछ भी परवाह नहीं कर वहां पर एक विशाल भवन बना दिया है;

(ङ) क्या यह बात सही है कि इस कारण अस्पताल बनाने का काम अब वहीं का वहीं रह गया है, और सरकार भी निर्चिंत हो बैठ गयी है?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) जमीन का दाम ठीक होने के बाद सरकार ने उसके लिए १९५४-५५ के आर्थिक वर्ष में रुपये की व्यवस्था की है।

(घ) बिना जांच-पड़ताल के यह कहना कठिन है कि मायर साहब के हाते में जहां पर अस्पताल बनने की बात है या किसी दूसरे हिस्से में किसी आदमी ने मकान बनवा लिया है।

(ङ) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

श्री पुनीत राय—क्या सरकार इसकी जांच करा रही है?

श्री हरिनाथ मिश्र—जी हां, आदेश दिया गया है और जांच हो रही है।

दुमका अस्पताल में स्थानाभाव।

८६४। श्री मदन बेसरा—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि रामगढ़ दुमका में एक सरकारी अस्पताल है;

(ख) क्या यह बात सही है कि प्रतिदिन ८० से ९० तक रोगी अस्पताल में आया करते हैं;

(ग) क्या यह बात सच है कि रोगियों के रहने की व्यवस्था न होने के कारण रोगियों को दिनभर पेड़ के नीचे रहना पड़ता है, जिससे कुछ वहीं रातभर रह जाते हैं, और कुछ घर लौट जाते हैं;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रोगियों को रहने के लिये घर की व्यवस्था करने का विचार करती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(क) रामगढ़ में ता० ९ फरवरी, १९५३ से एक सरकारी अस्पताल खुला है।

(ख) ता० ९ फरवरी, १९५३ से ता० १७ सितम्बर, १९५३ ई० तक प्रतिदिन रोगियों की संख्या ये हैं :—

आउटडोर रोगी	..	..	६४.१
इनडोर रोगी	..	..	४.०१२
			६८.११२

(ग) अस्पताल में रोगियों के लिए ४ आकस्मिक शय्या का प्रबंध है। रामगढ़ के मेडिकल ऑफिसर के रिपोर्ट से पता चलता है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है जिससे रोगियों की जगह की कमी के कारण अस्पताल में भर्त्ती नहीं हुई, बल्कि दूर से आने वाले रोगियों के सम्बन्धी तथा नौकर बैलगाड़ी पर रहना पसन्द करते हैं क्योंकि गांव में न तो धर्मशाला है और न रोगियों के संबंधियों के ठहरने के लिए मकान ही है।

(घ) अस्पताल एक फूस के किराये के मकान में है। अभी वहां सरकारी अस्पताल के लिए मकान बनवाने की कोई योजना नहीं है।

श्री सुपाई मुरमु—क्या सरकार बतलायेगी कि वह अस्पताल किसके मकान में है?

श्री हरिनाथ मिश्र—मैंने उत्तर में कहा है कि वह किराये के मकान में है।

श्री सुपाई मुरमु—सरकार कब तक अपना मकान बनायेगी?

श्री हरिनाथ मिश्र—इसकी कोई योजना सरकार के सामने अभी नहीं है।

श्री चुनका हेम्ब्रोम—क्या सरकार को यह मालूम है कि वहां जो मरीज आया करते हैं वे मलेरिया के शिकार बनते हैं इसलिये कि पेड़ के नीचे उन्हें रात को रहना पड़ता है?

श्री हरिनाथ मिश्र—ऐसी खबर सरकार को नहीं है।

श्री चुनका हेम्ब्रोम—क्या सरकार इस बात की जांच करायेगी?

श्री हरिनाथ मिश्र—अगर माननीय सदस्य चाहते हैं तो इसकी जांच होगी।